

चारपाया पुं. (फा.) चौपाया; चार पैरों वाला कोई पशु।

चारा पुं. (देश.) 1. पशुओं के खाने की घास, पत्ती, चेरी, डंठल आदि 2. चिड़ियों, मछलियों या अन्य जीवों के खाने की वस्तु 3. आटा या अन्य कोई खाद्य पदार्थ जिसे कटिया में लगाकर मछली फंसाते हैं पु. (फा.) उपाय, इलाज, तदवीर।

चारायण पुं. (तत्.) काम शास्त्र के प्रवक्ता एक आचार्य जिनके मत का उल्लेख वात्स्यायन ने किया है।

चारि वि. (तद्.) चार।

चारिका स्त्री. (तत्.) 1. दासी, सेविका 2. भ्रमण।

चारिणी स्त्री. (तत्.) 1. घूमने वाली, भ्रमण करने वाली, चलने वाली 2. आचरण करने वाली।

चारित वि. (तत्.) 1. चलाया हुआ, जो चलाया गया हो 2. उतारा हुआ 3. अर्क निकाला हुआ 4. खींचा हुआ 5. भभके के द्वारा खींचा हुआ।

चारित्र पुं. (तद्.) 1. कुल क्रमागत आचार 2. चाल-चलन, व्यवहार, स्वभाव 3. शील।

चारित्रवती स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की समाधि, अवस्था।

चारित्रिक वि. (तत्.) 1. चरित्र संबंधी 2. उत्तम चरित्रवाला।

चारित्री पुं. (तत्.) सदाचारी, उत्तम चरित्र वाला व्यक्ति।

चारित्र्य पुं. (तत्.) चरित्र संबंधी गुण।

चारी वि. (तत्.) चलने वाला जैसे- नभचारी जलचारी, भूचारी 2. आचरण करने वाला, व्यवहार करने वाला पुं. 1. पैदल सेना, पदाति सैन्य दल 2. पैदल सिपाही 3. संचारी भाव स्त्री. नृत्य का एक अंग, शृंगार आदि रसों का उद्दीपन करने वाले हाव-भाव।

चारु वि. (तत्.) सुंदर, मनोहर पुं. (तत्.) 1. बृहस्पति 2. रुक्मिणी से उत्पन्न कृष्ण का एक बेटा 3. कुंकुम, केसर।

चारुक पुं. (तत्.) सरपत के बीज जो दवा के काम में आते हैं।

चारुकेशरी पुं. (तत्.) 1. नागर मोथा 2. सेवती का फूल।

चारुगर्भ पुं. (तत्.) श्री कृष्ण के एक पुत्र का नाम।

चारुगुप्त पुं. (तत्.) श्री कृष्ण के एक पुत्र का नाम।

चारुता स्त्री. (तत्.) सुंदरता, मनोहरता, मनोजता।

चारुत्व पुं. (तत्.) दे. चारुता।

चारुदर्शन वि. (तत्.) देखने में सुंदर लगने वाला।

चारुदेष्ण पुं. (तत्.) रुक्मिणी के गर्भ से उत्पन्न कृष्ण के एक पुत्र का नाम जिसने निकुंभ आदि दैत्यों से युद्ध किया था।

चारुनेत्र पुं. (तत्.) हिरन, (हरिण) चारुलोचन वि. सुंदर नेत्रों वाला।

चारुपर्णी स्त्री. (तत्.) एक औषधि वि. सुंदर पत्तों वाली।

चारुबाहु पुं. (तत्.) श्री कृष्ण के एक पुत्र का नाम।

चारुमती स्त्री. (तत्.) 1. श्री कृष्ण की एक कन्या का नाम वि. बुद्धिमती, विशिष्ट बुद्धिवाली।

चारुविक्रम पुं. (तत्.) 1. बलशाली, बली, बलवान 2. सुंदर, मनोहर 3. गति-विशिष्ट वि. विशिष्ट गति वाला।

चारुशिला स्त्री. (तत्.) 1. मणि विशेष 2. हीरा।

चारुशील वि. (तत्.) अच्छे स्वभाव वाला, मनमोहक या सुंदर स्वभाव एवं आचार-विचार वाला।

चारुहासिनी वि. (तत्.) सुंदर-हास या मुस्कान वाली, मनोहर हँसी (हँसने) वाली स्त्री. (तत्.) वैताली छंद का एक भेद।

चारेक्षण पुं. (तत्.) राजनीतिज्ञ, नरेश, भूपाल, राजा।

चारोली पुं. (देश.) गुठली।

चारिचक वि. (तत्.) 1. वेद पाठ में कुशल व्यक्ति 2. कुशल एवं निपुण वेदपाठी।